संसाधनों का बाहुल्य है तथा वहां केन्द्रीय सरकार के क्षेत्र में भारी उद्योगों में तीन करोड़ रुपये से भी अधिक लगे हुए हैं तथा गैर-सरकारी क्षेत्र में उससे भी अधिक धनराशि लगी हुई है क्योंकि उस राज्य में कोई आनुषंगिक उद्योग नहीं है और न ही वहां छोटे और मध्यम दर्जे के उद्योग हैं ; और

(ग) यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान बिहार में आनुषंगिक उद्योग स्थापित करने के लिये क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) औद्योगिक विकास के लिए सरकार की नीति और कार्यक्रमों में अनुषंगीकरण को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में विशेष बल दिया गया है और देश भर में अनुषंगी उद्योगों का जाल फैलाने के लिए कुछ नीति विषयक उपाय किए गए हैं। सरकारी उद्यम ब्यूरों ने देश में अनुषंगी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार के सभी प्रतिष्ठानों को व्यापक मार्गदर्शीसिद्धान्त जारी किये हैं।

(ख) बिहार में, केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के 9 प्रतिष्ठानों ने अपनी आवश्यकता का माल खरीदकर अनुषंगी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उद्यम ब्यूरों द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार कार्रवाई पहले से ही शुरू कर दी है। इन नौ एककों को हिस्से-पुर्जों और उपकरणों का संभरण करने वाले लघु और अनुषंगी उद्योगों की संख्या वर्ष 1982–83 में 471 थी। जो वर्ष 1983–84 में 728 हो गई। इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि बिहार में सरकारी क्षेत्र के एकक लघु और अनुषंगी उद्योगों को समर्थन देते रहे हैं। गैर-सरकारी क्षेत्र में टेल्को और टिस्को जैसे एककों द्वारा लघु उप-संविदाकारों से माल व सेवाएं खरीदी जाने की सूचना मिली है।

(ग) सरकार ने अनुषंगीकरण कार्यक्रम को तीव्र बनाने के लिए हाल ही में कुछ और कदम उठाए हैं। बड़े एककों की स्थापना करने के लिए आशय पत्र स्वीकृत करते समय एक शर्त यह भी लगी होगी कि सरकार की आशानुरूप अनुषंगीकरण कार्यक्रम के क्षेत्रों के लिए गुंजाइश का भी पता लगाया जाएगा।

Inability to check fly ash and smoke pollution

2738. SHRI RAMCHANDRA BHARADWAJ:
DR. H. P. SHARMA:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the American firm, M|s. Air Correction International has been unable to check the fly ash and smoke pollution from the three units of the Indraprashtha Thermal Power Station of the Delhi Electric Supply Undertaking;

(b) if so, what was the cost of the equipment supplied by the U.S. firm for pollution control purposes at the Indraprastha station;

(c) what are the terms of the agreement with the said firm; and

(d) what action has taken in this regard to effectively control the pollution?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) Yes, Sir. The equipment supplied by M|s. Air Correction International has not squcceded in bringing down the dust emission from the three units of Indraprastha Thermal Power Station to the desired level as per contract.

(b) The cost of equipment supplied by the firm including the erection services is US dollar 2.1 million FAS New York and Rs. 56 lacs for indigenous components and erection services.

(c) As per the contract, the firm was supposed to provide collection efficiency of 99.78 per cent subject to equipment running on certain pre-designed paramteres.

(d) New Additional electro-static precipitators are proposed to be installed under the Centrally sponsored renovation and modernisation scheme.